भारत@जी20

आशा, सद्भाव और शांति की अध्यक्षता

आशा, सद्भाव, शांति और स्थायित्व–ये वे महत्वपूर्ण विचार हैं, जो दुनिया की सबसे उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी20 की भारत की अध्यक्षता को निर्धारित करेंगे। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था–भारत को जी20 बढ़ते ध्रुवीकरण और गहराते भू–राजनीतिक तनाव के दौर में वैश्विक एजेंडे को आकार देने का महान अवसर प्रदान कर रहा है, ताकि इस बंटी हुई दुनिया में शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि को आगे बढ़ाया जा सके।

समावेशी एवं कार्रवाई–उन्मुख

इंडोनेशिया के बाली द्वीप रिसॉर्ट में 16 नवंबर 2022 को जी20 शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रतीकात्मक रूप से जी20 की अध्यक्षता का दायित्व सौंपा। आधिकारिक तौर पर भारत ने साल भर के लिए जी20 की अध्यक्षता 1 दिसंबर 2022 को ग्रहण की, जो 30 नवंबर 2023 तक जारी रहेगी। बाली में प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को भारत की जी20 की अध्यक्षता के "समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई–उन्मुख" रहने का आश्वासन देते हुए उसका स्वरूप निर्धारित कर दिया। भारत की अध्यक्षता के दौरान प्रमुख विषयों और प्राथमिकताओं का सारांश प्रस्तुत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि जी20 को शांति और सद्भाव के पक्ष में एक मजबूत संदेश देना होगा और उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शांति और सुरक्षा के बिना, "भावी पीढ़ियां आर्थिक विकास या तकनीकी नवाचार का लाभ नहीं उठा पाएंगी।"

जी20 प्रतीक चिन्हः खिलता फूल, सात पंखुड़ियां

भारत की जी20 की अध्यक्षता का सार "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" की थीम में सन्निहित है और जिसे प्राचीन संस्कृत लोकाचार में "वसुधैव कुटुम्बकम" के रूप में व्यक्त किया गया है। इस लोगो में खिलता हुआ कमल और उसकी सात पंखुड़ियों पर विश्व को दर्शाया गया है, जो जीवन के सभी मूल्यों–मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीव – तथा पृथ्वी ग्रह और व्यापक ब्रह्मांड में उनकी परस्पर संबद्धता की पुष्टि करता है। 8 नवंबर 2022 को लोगो लॉन्च किए जाने के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "जी–20 के लोगो में कमल का प्रतीक इस दौर में आशा का प्रतिनिधित्व करता है।" लोगो लॉन्च किए जाने के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, ''कमल की सात पंखुड़ियां विश्व के सात महाद्वीपों और संगीत के सात सुरों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जी20 दुनिया को सद्भाव सहित एक साथ लाएगा। इस लोगो में कमल का फूल भारत की पौराणिक विरासत, हमारे विश्वास, हमारे ज्ञान को दर्शा रहा है।''

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

भारत के लिए जी20 की अध्यक्षता ''अमृतकाल'' की शुरुआत का भी प्रतीक है। यह ''अमृतकाल'' आजादी की 75वीं वर्षगांठ 15 अगस्त 2022 से शुरू होकर आजादी के सौवें वर्ष तक की 25 साल की अवधि है और अपने मूल में मानव–केंद्रित दृष्टिकोण के साथ भविष्यवादी, समृद्ध, समावेशी और विकसित समाज की दिशा में अग्रसर यात्रा है।

प्रमुख प्राथमिकताएं

अपनी जी20 की अध्यक्षता को भारत भू–राजनीतिक तनावों के कारण विकट रूप धारण कर चुके खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा जैसे बहु–आयामी संकटों से त्रस्त दुनिया में परिवर्तन और वैश्विक रूपांतरण के उत्प्रेरक के रूप में देखता है। ऐसे दौर में, जहां आम लोगों के जीवन को खतरे में डालते हुए दुनिया संघर्षों में उलझी हुई है, भारत अपनी जी20 अध्यक्षता का उपयोग वैश्विक विकास में नई जान डालने, ठोस जलवायु कार्रवाई और सशक्त वैश्विक स्वास्थ्य संरचना जैसी अनेक चुनौतियों के लिए रचनात्मक और सर्वसम्मति पर आधारित समाधान तैयार करने में करेगा। खाद्य और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देना एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता होगी, क्योंकि महामारी ने लाखों लोगों को गरीबी की खाई में धकेल दिया है। सतत विकास लक्ष्यों की फास्ट–ट्रैकिंग और लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के जरिए दुनिया को पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ जीवन शैली अपनाने की ओर अग्रसर करना, अगले कुछ महीनों की अन्य प्रमुख प्राथमिकताएं होंगी। सूचना प्रौद्योगिकी में अपनी मूलभूत ताकत के साथ, भारत डिजिटल संरचना को समावेशी बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है, ताकि यह सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन का उत्प्रेरक बन सके। समावेशी विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना प्रमुख प्राथमिकताएं होंगी।

ध्रुवीकरण के संघर्षों और वैश्विक संस्थानों के कमजोर पड़ने की वजह से विभाजित विश्व में जी20, जो विश्व के 85 प्रतिशत जीडीपी, विश्व के 75 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय व्यापार, और विश्व की दो–तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा। अपनी अध्यक्षता के दौरान, भारत वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर सहयोग के प्रमुख वैश्विक मंच के रूप में जी20 की स्थिति और अधिकार को मजबूत बनाने की कोशिश करेगा। आखिरकार, जी20 का जन्म 2008 की वित्तीय मंदी की चरमावस्था के दौरान हुआ था, जिसने दुनिया को विकसित और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को शामिल कर एक नया प्रतिनिधित्वपूर्ण बहुपक्षीय समूह स्थापित करने के लिए मजबूर किया था। इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया कि विश्व "जी 20 की ओर आशा से" देख रहा है।

अतुल्य भारत

अब से, जी20 'लोकतंत्र की जननी' भारत के लिए अपने समस्त गौरव और विविधता को प्रदर्शित करने का एक अवसर भी होगा, क्योंकि यह आर्थिक प्रगति से लेकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक, अंतरिक्ष, नवाचार और स्टार्ट–अप तक लगभग हर क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भारत 56 विविध स्थानों पर जी20 से संबंधित 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा, जिससे विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को इस जीवंत और वैविध्यपूर्ण देश का दौरा करने का अवसर मिलेगा। जी20 के कार्यक्रम अनेक आगंतुकों के लिए, भारत को अनुभव करने का पहला अवसर होंगे और इसलिए सभी भारतीयों को विश्व का स्वागत करने और उनके साथ एक परिवार के सदस्य जैसा व्यवहार करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्षित करने की आवश्यकता है। इस प्रवेशिका में भारत की जी20 की अध्यक्षता के अंतर्गत प्रमुख विषयों पर संक्षिप्त विवरण शामिल किए गए हैं, जो अगले 12 महीनों में भारत द्वारा 20 सदस्य देशों वाले इस समूह का नेतृत्व संभालने के दौरान उसके प्रमुख केंद्रित क्षेत्रों और प्राथमिकताओं से विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को अवगत कराएंगे। हमें उम्मीद है कि भारत विश्व को प्रभावित करने वाले के रूप में अपनी पहचान को दृढ़ बनाएगा तथा अधिक समावेशी और न्यायसंगत दुनिया बनाने की दिशा में प्रयासरत जी20 प्रक्रिया पर अपनी अमिट छाप छोड़ेगा।

जी20 कार्य समूह (भारतीय अध्यक्षता)

शेरपा ट्रैक

- कृषि
- भ्रष्टाचार–निरोधी
- संस्कृति
- डिजिटल अर्थव्यवस्था
- आपदा जोखिम लचीलापन और कमी
- विकास
- शिक्षा
- रोज़गार
- पर्यावरण और जलवायु निरंतरता
- ऊर्जा संक्रमण
- स्वास्थ्य
- व्यापार और निवेश
- पर्यटन

वित्तीय ट्रैक

- फ्रेमवर्क वर्किंग ग्रुप (एफडब्ल्यूजी)
- अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना (आईएफए)
- इन्फ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप (आईडब्ल्यूजी)
- टिकाऊ वित्तीय कार्य समूह (एसएफडब्ल्यूजी)
- वित्तीय समावेशन के लिए वैश्विक साझेदारी (जीपीएफआई)
- संयुक्त वित्त और स्वास्थ्य कार्य बल
- अंतर्राष्ट्रीय कराधान एजेंडा
- वित्तीय क्षेत्र की समस्याएं

जी20 कार्य समूह
(भारतीय अध्यक्षता)

- बिजनेस–20 (बी20)
- सिविल–20 (सी–20)
- लेबर–20 (एल–20)
- पार्लियामेंट–20 (पी–20)
- साइंस–20 (एस– 20)
- शीर्ष लेखापरीक्षा संस्थान–20 (एसएआई–20)
- स्टार्टअप–20 (एस–20)
- थिंक–20 (टी–20)
- अर्बन–20 (यू–20)
- वूमन–20 (डब्ल्यू–20)
- यूथ–20 (वाई–20)

जी20 के स्थायी आमंत्रित सदस्य

देश

- स्पेन

अंतरराष्ट्रीय संगठन

- संयुक्त राष्ट्र (यूएन)
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोश (आईएमएफ)
- विश्व बैंक (डब्ल्यूबी)
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)
- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ)
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ)
- वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी)
- आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी)
- अफ्रीकी संघ (एयू)
- अफ्रीकी संघ विकास एजेंसी (एयूडीए–एनईपीएडी)
- दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान)

अतिथि देश और अंतर्राष्ट्रीय संगठन
(भारत की जी20 की अध्यक्षता, 2023)

देश

- बांग्लादेश
- मिस्र
- मॉरीशस
- नीदरलैंड
- नाइजीरिया
- ओमान
- सिंगापुर
- संयुक्त अरब अमीरात

अंतरराष्ट्रीय संगठन

- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए)
- आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई)
- एशियाई विकास बैंक (एडीबी)

जी20 व्यापक आर्थिक संकेतक

संकेतक	जी20 (ट्रिलियन डॉलर)		विश्व में हिस्सेदारी (प्रतिशत)		वृद्धि (प्रतिशत) 2010–2021
	2010	2021	2010	2021	
आउटपुट/गतिविधि					
जीडीपी	55.7	70.1*	85.9	85.6	2.3#
मूल्य वर्धित, कृषि	1.9	2.6*	70.2	71.0	3.1#
मूल्य वर्धित, उद्योग	14.3	18.5*	82.9	83.6	2.6#
मूल्य वर्धित, सेवाएं	36.3	45.9*	86.9	86.5	2.4#
जनसंख्या	4.5	4.9	64.9	62.1	0.7
व्यापार					
व्यापारिक निर्यात	11.7	17.1	76.4	76.4	3.5
व्यापारिक आयात	14.5	17.4	78.4	76.9	1.7
कुल व्यापारिक व्यापार	26.1	34.4	77.5	76.7	2.5
सेवाओं का निर्यात	3.2	4.9	79.6	80.7	4.0
सेवाओं का आयात	3.0	4.4	77.2	78.0	3.5
सेवाओं का कुल व्यापार	6.2	9.3	78.4	79.4	3.8
निवेश					
आवक एफडीआई	1.0	1.1	72.7	69.8	0.8
आउटवर्ड एफडीआई	1.1	1.5	77.0	87.6	3.1
डिजिटल अर्थव्यवस्था					
डिजिटली डिलिवरेबल सेवाओं का निर्यात	1.6	3.2	85.6	84.1	6.5
आईसीटी सेवाओं का निर्यात	0.3	0.7	85.2	85.1	9.9

स्रोत: आईएमएफ–डीओटीएस, आईएमएफ–आईएफएस, यूएनसीटीएडी, ओईसीडी

नोट: वृद्धि के लिए, चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) की गणना 2010–2021 की अवधि के लिए की गई है।

* आंकड़े साल 2020 के हैं। # सीएजीआर की गणना वर्ष 2010–2020 के लिए की गई है।

जी20 सदस्य देश

आरआईएस
विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली
कोर IV-B, चौथी मंजिल, भारत पर्यावास केन्द्र, लोधी मार्ग,
नई दिल्ली–110 003, भारत। दूरभाष 91–11–24682177–80
फैक्स: 91–11–24682173–74, ईमेल: dgoffice@ris.org.in
वेबसाइट: www.ris.org.in

इस दस्तावेज़ और पिछली जी20 और टी–20 विज्ञप्तियों को एक्सेस करने के लिए क्लिक करें: https://bit.ly/3UiAa9s
स्कैन QR code